सिंहस्थ 28 - भीड़ प्रबंधन पर होगा वैश्विक मंथन

- 27 अगस्त को उज्जैन में होगी स्पिरिचुअल कांक्लेव
- मुख्यमंत्री डॉ यादव व केंद्रीय मंत्री शेखावत होंगे शामिल
- काशी और प्रयागराज से लेकर उज्जैन तक के विषय पर चर्चा

सिंहस्थ 2028 के लिए बड़ी तैयारी

इस आयोजन का विशेष महत्व उज्जैन के सिंहस्थ 2028 से जुड़ा है. सिंहस्थ में करोड़ों श्रद्धालु एक साथ आते हैं, जिससे भीड़ नियंत्रण, यातायात, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है. कॉन्क्लेव में निकलने वाले सुझाव सिंहस्थ के आयोजन को और व्यवस्थित व सुरक्षित बनाने में अहम साबित होंगे.

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 में 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया जा रहा है, ऐसे में भीड़ प्रबंधन कैसे होगा, इसको लेकर एक स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव रखी गई है, जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र शेखावत भी शामिल होंगे. यह आयोजन होटल अंजू श्री में होगा.

धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ को वैज्ञानिक और आधुनिक तरीके से मैनेज करने के लिए में विषय विशेषज्ञ आमंत्रित किए गए हैं, उज्जैन में स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव को लेकर तैयारीयो का दौर प्रारंभ हो गया है, इसमें खासतौर पर महाकाल और काशी जैसे तीर्थस्थलों पर भीड़ प्रबंधन पर चर्चा होगी.

पर्यटन विभाग और चैम्बर कॉमर्स का आयोजन

यह आयोजन पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होगा. उल्लेखनीय है कि पीएचडी चैम्बर ने ऐसा पहला आयोजन पिछले वर्ष अयोध्या में किया था, जिसे व्यापक सराहना मिली थी.

देश विदेश से आएंगे अतिथि

स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे. इसके साथ ही देश-विदेश से धार्मिक विद्वान, संत समाज के प्रतिनिधि और प्रबंधन विशेषज्ञ भी हिस्सा लेंगे.

उज्जैन को होंगे कई फायदे

उज्जैन को धार्मिक पर्यटन की वैश्विक पहचान मिलेगी. साथ ही आधुनिक तकनीक और मॉडल से भीड़ प्रबंधन आसान होगा, सिंहस्थ के लिए वैज्ञानिक ब्लूप्रिंट तैयार करने में मदद मिलेगी. पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय स्तर पर रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे.

उज्जैन को मिलेगी नई दिशा

महाकाल की नगरी में होने वाला यह स्पिरिचुअल कॉन्क्लेव सिर्फ चर्चा का मंच नहीं बल्कि आने वाले समय की योजनाओं और व्यवस्थाओं का रोडमैप होगा. यह उज्जैन को धार्मिक पर्यटन की राजधानी के रूप में और सशक्त बनाएगा तथा सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को नई दिशा देगा.

करंट की चपेट में आए दो भाइयों की मौत

शहडोल. जिले के बुढार थाना क्षेत्र के धनगवां गांव में रविवार को बड़ा हादसा हो गया. घर की बिजली सुधारते समय करंट की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई. परिजन तत्काल उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया. पहले छोटे भाई पी.के. सिंह (26) करंट की चपेट में आए. उन्हें बचाने के लिए बड़े भाई राकेश सिंह (40) दौड़े, लेकिन दोनों ही बिजली के करंट से गंभीर रूप से झुलस गए. परिजनों ने तुरंत बिजली का पावर बंद किया और दोनों को आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे. डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया.

राजा रघुवंशी के 3 हत्यारे जेल में बेचैन

- जेल में मांग रहे नींद की गोलियां या जहर
- सलाखों के पीछे हर समय घूमता रहता है राजा का चेहरा
- सोनम, राज सामान्य कैदियों की तरह बिता रहे समय
- दोनों को न तो हत्या पर कोई पछतावा है

नव भारत न्यूज

इंदौर. ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड के आरोपी जेल में अब मानसिक दबाव झेल रहे हैं. हत्या के आरोपी आकाश, आनंद और विशाल को सलाखों के पीछे चैन की नींद नहीं आ रही है.

उनकी आंखों के सामने हर समय राजा का चेहरा घूम रहा है. जबकि सोनम और राज सामान्य कैदियों की तरह समय बिता रहे है. जेल सूत्रों के अनुसार तीनों आरोपी अधिकारियों और कर्मचारियों से बार-बार नींद की दवाइयां मांगते हैं. यहां तक कि कई बार उन्होंने कहा अगर दवा नहीं दे सकते तो हमें जहर ही दे दो. ज्ञात हो कि करीब तीन माह पहले, 23 मई को मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा की बेरहमी से हत्या कर शव को खाई में फेंका गया था. हत्या की साजिश में सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाह ने आरोपियों आकाश, आनंद और विशाल की मदद ली थी.

> अब जेल में ये तीनों अपने किए पर पछता रहे हैं. उनका कहना है कि हर समय आंखों के सामने राजा का चेहरा घूमता रहता है, सोते-जागते भी वही दिखाई देता है, इसी कारण उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है. वहीं दूसरी ओर, राजा की पत्नी सोनम और उसका प्रेमी राज कुशवाह जेल में बिल्कुल सामान्य व्यवहार कर रहे हैं. जेल सूत्रों के अनुसार, दोनों को न तो हत्या पर कोई पछतावा है और न ही कोई बेचैनी. वे आम कैदियों की तरह जेल का जीवन बिता रहे हैं.

मछली परिवार के अवैध कब्जों की प्रशासन बना रहा कुंडली

भोपाल,25 अगस्त. मछली परिवार के अवैध कब्जों पर प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. अनंतपुरा की कार्रवाई के बाद अब उनके अन्य कब्जों की कुंडली तैयार की जा रही है. हुज़ूर तहसील के अलावा और कहां-कहां कब्जे हैं, इसकी पड़ताल की जा रही है. इसी क्रम में प्रशासन ने 20 लोगों को नोटिस थमाए हैं.

इधर, कोकता बायपास की कॉलोनी पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है. यह कॉलोनी गोविंदपुरा विधानसभा में आती है. बताया जा रहा है कि शासकीय जमीन पर कब्जा कर मछली परिवार ने करोड़ों का मुनाफा कमाया है. भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने ऐसे लोगों को फांसी देने की मांग की है.

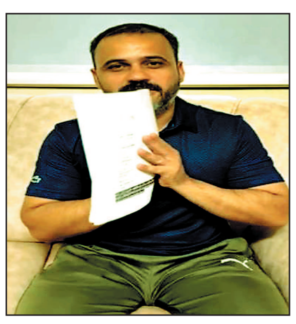

दरअसल, पशुपालन विभाग ने कोकता बायपास स्थित 99 एकड़ जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दिया है. इस जमीन पर मछली परिवार समेत 20 लोगों पर कब्जे का आरोप है. प्रशासन ने रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया और सभी को नोटिस जारी किए हैं. सीमांकन के दौरान सभी को मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं.

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की दिल्ली में पहली ट्रेनिंग

राहुल जिला अध्यक्षों से सीधे संवाद कर आगे की रणनीति पर करेंगे चर्चा

भोपाल/दिल्ली,25 अगस्त. मध्यप्रदेश कांग्रेस के हाल ही में नवनियुक्त 71 शहर और ग्रामीण जिला अध्यक्षों की रविवार को दिल्ली में पहली ट्रेनिंग हुई. इस मौके पर लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जिला अध्यक्षों से सीधे संवाद कर आगे की रणनीति पर चर्चा की.

सभी जिला अध्यक्ष शनिवार को ही दिल्ली पहुंच चुके हैं. सुबह कांग्रेस के नए राष्ट्रीय कार्यालय में इनकी ट्रेनिंग चल रही है.

हम मिलकर लड़ेंगे, हर हाल में जीतेंगे : पटवारी

> प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और सभी जिला अध्यक्ष शनिवार को ही दिल्ली पहुँच गए थे. पटवारी ने ट्वीट कर लिखा ऊर्जा और उत्साह से भरी टीम मध्यप्रदेश कांग्रेस के वैचारिक प्रवाह को नई गति दे रही है. जन अपेक्षाओं को साकार करने के लिए हम प्राण-प्रण से संघर्ष करेंगे. हम मिलकर लड़ेंगे, हर हाल में जीतेंगे. दिल्ली में सभी जिलाध्यक्षों ने प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और जीतू पटवारी के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय का भ्रमण कर पूरी कार्यपद्धति समझी. इसके बाद प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने सभी नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को डिनर दिया.

चुनौतियों और चुनावी रणनीति पर फोकस

कार्यशाला सुबह 9:30 बजे से शाम 7 बजे तक चली. सभी जिला अध्यक्षों को 9 बजे तक रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए थे.

इस ट्रेनिंग में संगठन सृजन अभियान की पूरी रूपरेखा बताई गई. साथ ही आगामी समय की चुनौतियों और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई.

सेंधवा-खेतिया राष्ट्रीय राजमार्ग क्षतिग्रस्त, बन रहा जानलेवा

- शिकायत के बावजूद नहीं शुरू हुई मरम्मत

सेंधवा. बडवानी जिले के अन्तर्गत आने वाला सेंधवा-खेतिया राष्ट्रीय राजमार्ग लम्बे समय से क्षतिग्रस्त स्थिति में है. साथ ही बारिश के कारण यह मार्ग 'जानलेवा' बनता जा रहा है. सीएम हेल्पलाईन सहित लोक निर्माण मंत्री एवं विभागीय उच्च अधिकारियों को सप्रमाण शिकायत प्रेषित करने के बाद भी मरम्मत कार्य प्रारम्भ होना तो दूर विभागीय अधिकारियों द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन में भ्रामक प्रत्युत्तर प्रेषित कर दिए गए.

बारिश के दौरान खेतिया से सेंधवा के मध्य सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है. विशेष रूप से सेंधवा शहर के मौसम पुलिया तिराहे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है. इस हिस्से पर तिराहा होने के कारण 24 ही घण्टे बाहरी एवं शहरी आवागमन का अत्यधिक दबाव रहता है. बावजूद इसके विभाग द्वारा इसका मरम्मत कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं करवाया गया है. ऐसी स्थिति में वाहन चालकों को अत्यधिक परेशानी उठाना पड़ती है तथा दुर्घटनाओं की संभावना भी हमेशा बनी रहती है. सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता बी.एल. जैन ने इस संबंध में सी.एम. हेल्पलाईन में दोबारा शिकायत दर्ज कराते हुए लोकनिर्माण मंत्री राकेशसिंह, मुख्यसचिव, प्रमुख सचिव लो.नि.वि. को पत्र की प्रतिलिपीयां प्रेषित कर उन्हे अवगत कराया गया है कि सेंधवा-खेतिया स्टेट हाईवे का निर्माण म.प्र. सड़क विकास निगम लिमिटेड द्वारा लगभग 9 वर्ष पूर्व किया गया था, 5 वर्ष की ग्यारंटी अवधि समाप्ति के पश्चात् यह मार्ग विगत 4 वर्षों से अब लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग को हस्तान्तरित किया जा चुका है. ऐसी स्थिति में इसके समस्त रख रखाव की जवाबदारी लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग इंदौर की है.

शिकायत को बताया मांग श्रेणी का

श्री जैन ने इस मामले को लेकर 28 जुलाई को एक शिकायत सी.एम. हेल्पलाईन मे दर्ज करवाई गई थी, जिसमें उक्त मार्ग के क्षतिग्रस्त स्थिति के फोटो प्रेषित कर मौसम पुलिया की चौड़ाई दोनों ओर 5-5 मीटर बढाने की मांग की गई थी. इस शिकायत के प्रत्युत्तर में 4 अगस्त को कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि.रा.रा. द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन को यह जानकारी प्रेषित की गई कि शिकायतकर्ता की शिकायत की प्रकृति मांग श्रेणी की है. अत: शिकायत को मांग मे परिवर्तित कर शिकायत को बंद कर दिया जाए. श्री जैन ने कहा कि उनकी शिकायत केवल मांग श्रेणी की नहीं होकर मरम्मत कार्य से संबंधित भी थी जिसका निराकरण मरम्मत कार्य होने के पश्चात् ही माना जाता. लेकिन चौकानें वाली बात यह है कि शिकायत के लगभग 1 माह बाद भी विभाग द्वारा कोई मरम्मत कार्य समाधानकारक तरीके से नहीं किया गया, परिणामस्वरूप सड़क की बदहाली बढती जा रही है. श्री जैन ने पत्र में मांग की है कि सी.एम. हेल्पलाईन मे भ्रामक जानकारी के मामले में भी संज्ञान लेते हुए हुए मरम्मत कार्य शीघ्रतापूर्वक प्रारंभ किया जाए.

हादसे के लिए सरकार जिम्मेदार : जीतू

सड़कों पर गड्ढों की वजह से हुई मौत

बुरहानपुर, 25 अगस्त. बुरहानपुर में सड़कों पर गड्ढों की वजह से बड़ा हादसा हो गया. गणेश प्रतिमा ले जाते समय ट्रॉली असंतुलित हो गई और 12 फीट ऊँची प्रतिमा खंडवा निवासी शशांक जोशी (26) पर गिर गई.

युवक की मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना ने अब सियासी रंग ले लिया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हादसे के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा गड्ढों से भरी सड़कों के कारण शशांक जोशी की जान गई है. दोषी भाजपा सरकार और उसकी बनाई व्यवस्था है.

खंडवा से गणेशोत्सव समिति के युवक प्रतिमा लेने लालबाग आए थे. रात 9:30 बजे ट्रॉली से प्रतिमा ले जाते समय लालबाग रोड, तुलसी मॉल के सामने हादसा हो गया. शशांक प्रतिमा के नीचे दब गया. स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुँचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. हादसे के बाद लालबाग रोड और अस्पताल में भारी भीड़ लग गई. दो दिन पहले भी इंदौर-इच्छापुर हाइवे पर दापोरा के पास एक प्रतिमा ट्रॉली से गिरकर खंडित हो गई थी.

1 करोड़ मुआवजा देने की मांग

> पटवारी ने कहा कि इस अक्षम्य अपराध के जिम्मेदारों पर तत्काल हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए. पीड़ित परिवार को कम से कम 1 करोड़ रुपए मुआवजा मिलना चाहिए. उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था का दावा करती है तो फिर सड़कों की यह बदहाली क्यों है.

शिक्षित लोग ही देश को करते हैं सशक्त : शुक्ल

वाल्मीकि समाज के प्रतिभावान बच्चों का किया सम्मान

भोपाल 24 अगस्त. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि शिक्षित व्यक्ति समाज और देश का नेतृत्व करता है. उसे सशक्त करता है. उन्होंने कहा कि वाल्मीकि समाज के बच्चों के सम्मान से उनके माता-पिता गौरवान्वित हुए हैं.

बच्चों के सम्मान से उनके परिजनों का भी सम्मान हुआ है. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने भारतीय वाल्मीकि जन विकास संघ द्वारा रीवा में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि वाल्मीकि समाज शिक्षा के प्रति जागरूक है. उन्होंने अपने बच्चों को कड़ी मेहनत कर पढ़ाया है. शिक्षा से ही विकास होता है और सुनहरे सपने शिक्षा के ही माध्यम से साकार होते हैं. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सम्मान प्राप्त करने से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है और उनसे प्रेरणा लेकर अन्य विद्यार्थी व परिजन शिक्षा के प्रति अपनी रूचि को सशक्त करते हैं. उन्होंने कहा कि वाल्मीकि समाज के विद्यार्थी प्रतिभावान हैं.

जरूरत इस बात की है कि उन्हें प्रोत्साहित किया जाए. उन्होंने अपेक्षा की कि समाज के बच्चे लगन से शिक्षा लेकर आगे भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

प्रदेश के कई जिलों में 24 घंटे में मूसलाधार बारिश

गुना सहित जिलों में आरेंज अलर्ट, 2 दिनों तक बने रहेंगे बारिश के आसार

27 तक प्रदेशभर में बारिश का दौर रहेगा जारी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 24 अगस्त. मप्र में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है. अगले 24 घंटे के दौरान करीब 14 जिलों में मूसलाधार बारिश के आसार बने हैं.

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को शिवपुरी, मुरैना, गुना, राजगढ़, शाजापुर, आगर, सिंगरौली, रीवा, मऊगंज, छतरपुर, टीकमगढ़ सहित जिलों में अति बारिश की संभावना बनी है. इन जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग के अनुसार प्रदेशभर में अभी 2 दिनों तक बारिश के आसार बने रहेंगे. अन्य जिलों मालवा, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, इंदौर, जबलपुर, भोपाल, विदिशा, सीहोर, राजगढ़ सहित जिलों में भी बारिश होने की संभावना बनी है.

इन जिलों में बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है. प्रदेश में मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के सक्रिय होने के चलते मूसलाधार बारिश का दौर जारी है. मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को सहित जिलों में मूसलाधार बारिश हो सकती है. 27 अगस्त तक प्रदेशभर में बारिश का दौरा जारी रह सकता है.

चंबल में फिर बाढ़ का खतरा

> **मुरैना.** मध्यप्रदेश के मुरैना राजघाट स्थित चंबल नदी का जलस्तराज बार फिर खतरे के निशान से मात्र डेढ़ मीटर दूरी पर बहने से यहां बाढ़ की आशंका पैदा हो गई है. केंद्रीय जल आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोटा बैराज एवं नोना डैम से पानी छोड़े जाने के कारण चंबल नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. जलस्तर शाम तक 136.60 मीटर तक पहुँच चुका है. यह स्थिति मुरैना जिले के नदी तटीय क्षेत्रों के लिए संभावित बाढ़ के खतरे की चेतावनी है. जिला प्रशासन ने समस्त नागरिकों को सूचित करता है कि वे सतर्क रहें, विशेषकर वे लोग जो चंबल नदी के किनारे अथवा निचले इलाकों में निवासरत हैं.

अनदेखी | शिव मंदिर और धार्मिक महत्व के स्थल धीरे-धीरे हो रहे जर्जर

पांडवों की स्मृतियों वाला देव पर्वत उपेक्षा का शिकार

सुरेश पांडेय

पन्ना, 25 अगस्त. अजयगढ़ तहसील मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर करतल मार्ग पर स्थित रमणीक, पुरातात्विक एवं धार्मिक महत्व का प्राचीन तीर्थ स्थल देव पर्वत उपेक्षा का शिकार है.

यहां की प्राचीन गुफाएं, ऐतिहासिक शिव मंदिर और धार्मिक महत्व के स्थल धीरे-धीरे जर्जर होते जा रहे हैं. संरक्षण को लेकर जिले का पुरातत्व विभाग भी गंभीर नहीं दिखता.

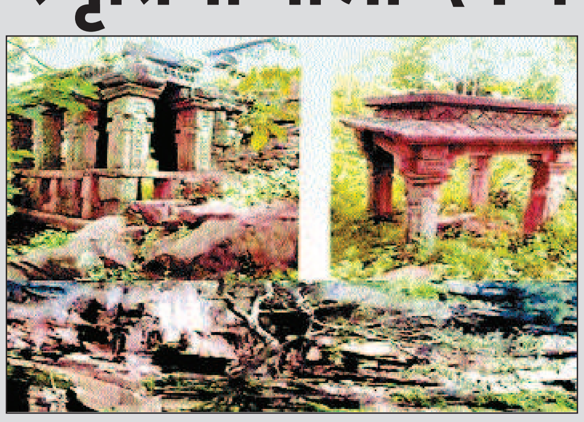

देव पर्वत के ऊपरी शिखर पर भगवान राम के आगमन का प्रमाण माना जाने वाला सीता रसोई मंदिर दिनों दिन खंडहर में बदल रहा है. कभी यह क्षेत्रीय आस्था का केंद्र था, लेकिन आज इसकी स्थिति खराब है. पहुंच मार्ग कठिन होने के कारण अधिकांश श्रद्धालु पर्वत के निचले हिस्से में स्थित गंगा-यमुना कुंड में स्नान कर वहीं पूजा-अर्चना कर लौट जाते हैं. कहा जाता है कि द्वापर युग में पांचों पांडव मां कुंती के साथ पर्वत की गुफाओं में ठहरे थे. ये गुफाएं अब नष्ट होती जा रही हैं. देव पर्वत को देवताओं का वास स्थल माना गया है. यहां भगवान राम, पांडवों, शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी और महाप्रभु वल्लभाचार्य की स्मृतियां आज भी जुड़ी हुई हैं. प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए किसी तीर्थ से कम नहीं है.

जीर्णोद्धार की दरकार

> यहां पहुंचने के लिए सीढ़ियों का निर्माण, सुरक्षा के लिए रेलिंग और प्राचीन कुंडों व सीता रसोई का जीर्णोद्धार अत्यंत आवश्यक है. आजादी से पहले रियासतों के राजा यहां के संरक्षण पर ध्यान देते थे, लेकिन आजादी के बाद से यह आस्था स्थल उपेक्षा का शिकार हो गया है.

ग्राउंड रिपोर्ट

1. सीता रसोई एवं गंगा-यमुना कुंड आज भी प्रासंगिक
2. द्वापर युग में पांच पांडवों के रुकने के प्रमाण मौजूद
3. प्राचीन कुंडों एवं गुफाओं का जीर्णोद्धार अत्यावश्यक

कुबेरेश्वर धाम हादसे पर कोर्ट में परिवाद पेश

सीहोर, 25 अगस्त. मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम में कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा श्रावण मास में आयोजित कांवड़ यात्रा में सात लोगों की मौत के बाद मामला अदालत तक पहुंच गया है.

इंदौर के वकील प्रकाश यादव ने सीहोर के न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी की अदालत में याचिका दायर कर पंडित प्रदीप मिश्रा और आयोजनकर्ता विट्ठलेश सेवा समिति पर विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की मांग की है. याचिकाकर्ता का कहना है कि उन्होंने मंडी थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने केवल डीजे संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया. लोगों की मौत और आयोजन की अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार लोगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. इसी कारण अब उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया. अदालत ने इस मामले पर प्रारंभिक स्तर पर संज्ञान लिया है.

पेज एक का शेष

लघु उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़

एमएसएमई का बजट 2100 करोड़: एमएसएमई मंत्री चेतन काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विभाग का बजट 450 करोड़ से बढ़ाकर 2100 करोड़ कर दिया गया है. उन्होंने युवाओं से रोजगार तलाशने के बजाय उद्यमिता अपनाने का आह्वान किया. लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा ने कहा कि प्रदेश में 80 लाख सूक्ष्म एवं लघु उद्योग हैं, जिन्हें विकसित कर रोजगार की विशाल संभावनाएँ पैदा की जा सकती हैं.

उद्यमियों ने रखी माँगें: इस अवसर पर लघु उद्योग भारती मप्र के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री के समक्ष उद्यमियों की माँगें रखीं. इनमें भवन कर (प्रॉपर्टी टैक्स) में छूट, 2000 वर्ग फीट तक मल्टी-स्टोरी भवन की अनुमति, स्टाम्प ड्यूटी कम करने, कोरोना काल में आवंटित भूखंडों का आवंटन यथावत रखने और फायर एनओसी प्रक्रिया सरल बनाने जैसी मांगें शामिल रहीं.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**